सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक: 54 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार 30 मार्च, 2026
मूल्य ₹ 3/-

जिस प्रकार एक सूखे पेड़ में आग लगा दी जाये तो वह पूरा जंगल जला देता है, उसी प्रकार एक पापी पुत्र पुरे परिवार को बर्बाद कर देता है।

-चाणक्य

2012 के बाद मुंबई ने जीता पहला... 7 | बिहार सरकार के मंत्री कर रहे... 3 | भाजपा पर सपा प्रहार, नोएडा से... 2

टफ तमिलनाडु : स्टालिन के किले में बीजेपी का मिशन या मृगतृष्णा ?

घोषणापत्रों की जंग में डीएमके व एआईएडीएमके आमने-सामने

- बीजेपी की तीसरी ताकत बनने की जिद
- डीएमके का तोहफा महिलाओं को 8 हजार के कूपन
- फाइनेंशियल मदद एक हजार से बढ़ाकर दो हजार करने का इरादा
- जयललिता वाली एआईएडीएमके ने किया वोटर्स को फ्रिज देने का वादा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तमिलनाडु की धरती पर एक बार फिर चुनावी रणभेरी बज चुकी है जहां शब्दों से ज्यादा इशारों में राजनीति होती है और नारों से ज्यादा पहचान का खेल चलता है। एक तरफ सत्ता पर काबिज डीएमके अपने कामकाज और वेलफेयर माडल के दम पर जनता का भरोसा बनाए रखने में जुटी है तो दूसरी ओर एआईएडीएमके अपने बिखरे कुनबे को जोड़कर वापसी की जद्दोजहद में है।

लेकिन इस बार तमिलनाडू की राजनीतिक कहानी में एक नया एंगल भी शामिल हो रहा है और वह है बीजेपी की तीसरी राजनीतिक ताकत बनने की जिद। बीजेपी न सिर्फ तमिलनाडू में राजनीतिक खेल खेलना चाहती है बल्कि खेल के नियम बदलने का दावा भी कर रही है। इस बार की राजनीतिक फिजा में भले ही चुनावी चौसर पर शाह और मात का नहीं बल्कि सांप और सीढ़ी का खेल ज्यादा दिखाई दे रहा है।

स्टालिन चमकने के लिए बेताब

तमिलनाडु की राजनीति का मौजूदा चेहरा एमके स्टालिन एक ऐसा नेता हैं जिसने विरासत को सिर्फ संभाला नहीं बल्कि उसे नए दौर के मुताबिक ढालने की कोशिश भी की। द्रविड़ राजनीति के दिग्गज एम करूणानिधी के बेटे होने के कारण स्टालिन को शुरुआत से ही सियासत का माहौल मिला लेकिन उन्होंने अपनी पहचान वंशवाद से आगे बढ़कर प्रशासनिक पकड़ के जरिए बनाई। स्टालिन का राजनीतिक सफर आसान नहीं रहा। पार्टी के भीतर लंबे समय तक खुद को साबित करने की चुनौती विपक्ष के हमले और जनता की उम्मीदों का दबाव इन सबके बीच उन्होंने धीरे धीरे संगठन और सरकार दोनों पर पकड़ मजबूत की। आज वे डीएमके के सबसे भरोसेमंद चेहरे बन चुके हैं। उनकी राजनीति की सबसे बड़ी ताकत है वेलफेयर माडल। महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा शिक्षा और स्वास्थ्य में सुधार और गरीब वर्ग के लिए योजनाओं का विस्तार। इससे उन्होंने एक मजबूत प्रो पीपल छवि बनाई है। हालांकि आलोचक इसे फ्रीबी कल्चर कहकर राज्य की आर्थिक स्थिति पर सवाल उठाते हैं लेकिन जमीनी स्तर पर इन योजनाओं का असर साफ दिखता है।

सियासी जंग में वादों की बारिश

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए सत्ताधारी डीएमके और विपक्षी एआईएडीएमके ने अपने अपने चुनावी घोषणा पत्र जारी किए हैं। घोषणा पत्र में डीएमके ने 2021 के चुनावों में 505 वादे किए थे लेकिन इस बार उसने अपने वादों की संख्या बढ़ाकर 525 कर दी है। वहीं दूसरी ओर सत्ता में वापसी की कोशिश कर रही एआईएडीएमके ने कल्याणकारी योजनाओं और लक्षित सब्सिडी पर केंद्रित 297 वादे किए हैं। दोनों घोषणापत्रों का एक प्रमुख पहलू महिला केंद्रित योजनाओं पर जोर देना है। सीएम एम. के. स्टालिन ने घोषणा की है कि आयकर न देने वाले परिवारों की गृहिणियों को आवश्यक घरेलू उपकरण खरीदने या बदलने के लिए 8,000 रुपए के कूपन मिलेंगे। डीएमके ने महिलाओं के लिए मासिक वित्तीय सहायता को 1,000 रुपए से बढ़ाकर 2,000 रुपए करने का भी वादा किया है। एआईएडीएमके के महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने वादा किया है कि अगर पार्टी सरकार बनाती है तो राशन कार्ड धारकों को मुफ्त रेफ्रिजरेटर दिए जाएंगे। इसके अलावा कुला विलाक्कू योजना के तहत एआईएडीएमके ने सभी परिवार कार्ड धारकों के लिए 2,000 रुपए की सब्सिडी का प्रस्ताव रखा है जिसे वह राज्यभर के परिवारों के लिए प्रत्यक्ष लाभ के रूप में प्रस्तुत कर रही है।

किसानों के लिए वादे

किसानों को धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाकर 3,500 रुपए प्रति क्विंटल और गन्ने का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाकर 4,500 रुपए प्रति टन करने जैसे प्रमुख वादे भी किए गए हैं। स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में स्टालिन ने बीमा पात्रता के लिए आय सीमा को बढ़ाकर 5 लाख रुपए और कवरेज को 10 लाख रुपए करने का प्रस्ताव दिया है जबकि पलानीस्वामी ने हृदय शल्य चिकित्सा और कैंसर देखभाल जैसे प्रमुख उपचारों के लिए पूर्ण सरकारी वित्तपोषण का आश्वासन दिया है। दोनों दलों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कुछ पहलुओं के प्रति अपने विरोध को दोहराया है और तमिलनाडु के अधिकारों की रक्षा करने का संकल्प लिया है। उन्होंने शिक्षा को राज्य सूची में वापस लाने के लिए प्रयास करने का भी वादा किया है।

दोनों पार्टियों ने सामाजिक कल्याण में किए मिलते जुलते वादे

दोनों पार्टियों ने सामाजिक कल्याण क्षेत्र में मिलते जुलते वादे किए हैं। उन्होंने वृद्धावस्था पेंशन को 1,200 रुपए से बढ़ाकर 2,000 रुपए करने और मछली पकड़ने पर प्रतिबंध से संबंधित राहत सहायता को 8,000 रुपए से बढ़ाकर 12,000 रुपए करने का आश्वासन दिया है। दिव्यांगजनों के लिए स्टालिन ने भत्ते को बढ़ाकर 2,500 रुपए करने का प्रस्ताव दिया है जबकि पलानीस्वामी ने इसे बढ़ाकर 2,000 रुपए करने की प्रतिबद्धता जताई है। शिक्षा क्षेत्र में डीएमके ने अगले पांच वर्षों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे 35 लाख छात्रों को मुफ्त लैपटाप वितरित करने का संकल्प लिया है। एआईएडीएमके ने भी इसी तरह का प्रस्ताव रखा है जिसमें सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त कालेजों में पढ़ने वाले छात्रों को लैपटाप देने का वादा किया गया है। दोनों ही पार्टियों के घोषणापत्रों में आवास और ग्रामीण विकास को प्रमुखता दी गई है। डीएमके ने पांच साल के भीतर 10 लाख घर बनाने का संकल्प लिया है जबकि एआईएडीएमके ने अपनी अम्मा इल्लम योजना के तहत बेघर परिवारों को मुफ्त आवास देने का वादा किया है।

एआईएडीएमके की उलझन

एआईएडीएमके की सबसे बड़ी उलझन पोस्टर ब्वाय को लेकर है बिना पोस्टर ब्वाय के नैरेटिव बनने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कभी तमिलनाडु की राजनीति पर राज करने वाली एआईएडीएमके आज अपने ही सवालों में घिरी है। जे जयललिता के बाद पार्टी में वैसी करिश्माई लीडरशिप नहीं दिखी जो भीड़ को एकजुट कर सके। पार्टी के भीतर अंदरूनी कलह साफ दिखाई दे रही है। लीडरशिप का संकट और बीजेपी से दूरी यह वह दो मुख्य फैक्टर है जो एआईएडीएमके को कमजोर कर रहे हैं। हालांकि उसका पारंपरिक वोट बैंकऔर एंटी इंकम्बेंसी उसे पूरी तरह खत्म होने से बचा रहे हैं।

बीजेपी की उलझन

तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी चुनौती है अपनी पहचान बनाना। तमिलनाडु में भाषा और संस्कृति का सवाल बहुत बड़ा है। यहां हिंदी बनाम तमिल का नैरेटिव जल्दी बनता है। हालांकि इस बार के चुनाव में बीजेपी ने रणनीति बदली है। बीजेपी इस बार लोकल चेहरों को आगे ला रही है और छोटे दलों से गठबंधन करके हिंदुत्व और विकास का कांम्बो आफर पेश कर रही है। लेकिन दरहकीकत बीजेपी अभी भी यहां आउटसाइडर की छवि से जूझ रही है।

भाजपा पर सपा का प्रहार, नोएडा से चुनावी ललकार

» सपा प्रमुख ने आगामी 2027 विस चुनाव के लिए कसी कमर

» बोले अखिलेश यादव- सरकार बनने पर गुर्जरों को मिलेगी तरजीह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आगामी 2027 विस चुनाव में जीत के लिए सपा प्रमुख ने अभी से कमर कस ली है। नोएडा में पीएम मोदी व सीएम योगी के दौरे के बाद सपा मुखिया अखिलेश यादव ने एक विशाल रैली को संबोधित किया। उन्होंने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने दादरी में गुर्जरों के लिए बड़ा ऐलान किया। लोगों को संबोधित करते हुए राजधानी में राजा मिहिर भोज की प्रतिमा लगाने का वादा तक कर दिया। कोतवाल धन सिंह गुर्जर को भी याद किया।

गुर्जर समाज के सम्मान के प्रतीकों को अपने भाषण में जहां पूरी तरजीह दी। वहीं सरकार बनने पर राजधानी लखनऊ में गोमती रिवर फ्रंट पर राजा मिहिर भोज की प्रतिमा स्थापित करने का वादा भी किया। गुर्जर प्रतिहार वंश के 9वीं शताब्दी के शासक मिहिर भोज ने उत्तर भारत के एक बड़े हिस्से में शासन किया। वे भगवान विष्णु के प्रति अपनी भक्ति के लिए भी इतिहास में दर्ज हैं। भाजपा नेता प्राय अखिलेश यादव पर मुस्लिम तुष्टीकरण का आरोप लगाते हैं। शायद यही वजह रही कि दादरी की रैली की शुरुआत अखिलेश ने गुर्जर-प्रतिहार वंश के राजा मिहिर भोज की प्रतिमा पर गंगा जल चढ़ाकर की।

कुछ लोग सम्राट मिहिर भोज की विरासत भी छीन लेना चाहते हैं

अखिलेश ने समाजवादी सरकार बनने पर महिलाओं को सालाना 40 हजार रुपये दिए जाने की बात दोहराकर आधी आबादी को अपने पक्ष में करने का प्रयास किया। साथ ही कहा कि कुछ लोग हमारे सम्राट (मिहिर भोज) की विरासत भी छीन लेना चाहते थे। यहां बता दें कि दादरी और आसपास के क्षेत्रों में मिहिर भोज की विरासत होने का दावा गुर्जर और राजपूत दोनों ही जातियां करती रही हैं। सपा अध्यक्ष ने याद दिलाया कि समाजवादी सरकार में मिहिर भोज के नाम से बड़ा पार्क बनाया था। 1857 की जंग में कोतवाल धन सिंह गुर्जर के योगदान को याद करके सजातीय समाज को लुभाने की कोशिश की।

80-90 सीटों पर गुर्जर समाज का दखल

बताते चलें कि पश्चिम यूपी की कैराना, सहारनपुर, बिजनौर, मेरठ, गौतमबुद्धनगर, बागपत, बिजनौर व अमरोहा में कभी न कभी गुर्जर समाज से सांसद रह चुके हैं। पश्चिमी यूपी की 80-90 सीटों पर इस समाज का अच्छा दखल माना जाता है। यह यूं ही नहीं है कि आजाद समाज पार्टी के नेता और नगीना से सांसद चंद्रशेखर भी संसद में गुर्जर रेजीमेंट बनाने की मांग उठा चुके हैं। अब दादरी की रैली के सहारे गुर्जर कार्ड का फल पाने में अखिलेश यादव कितना सफल होते हैं, यह तो 2027 के परिणाम ही बताएंगे।

संविधान का मुद्दा भी उठाया

उधर, बीते लोकसभा चुनाव में सपा के लिए ट्रंप कार्ड बना संविधान का मुद्दा भी अखिलेश ने जोरशोर से उठाकर संदेश दिया कि इस मुद्दे को आगामी विधानसभा चुनाव के दौरान भी ठंडा नहीं पड़ने दिया जाएगा।

भाजपा केवल नाम बदलने का काम करती है : मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» बसपा प्रमुख ने हाईकोर्ट की बेंच बनाने की बात उठाई

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट की अलग से बेंच व अलग प्रदेश बनाने की बात एकबार फिर उठाई। साथ ही उन्होंने भाजपा व सपा पर हमला भी किया। बसपा सुप्रीमो ने रविवार को सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में कहा कि जेवर एयरपोर्ट के कार्य में उस समय केंद्र में रही कांग्रेस सरकार अगर रोड़ा नहीं अटकाती तो विकास का यह कार्य यमुना एक्सप्रेसवे आदि की तरह काफी पहले मेरी सरकार में ही पूरा हो गया होता।

बसपा सरकार द्वारा समाज के कमजोर तबकों के हित में लिए गए ऐतिहासिक फैसलों और बहुजन समाज के संतों, गुरुओं व महापुरुषों के सम्मान में निर्मित शिक्षण व मेडिकल संस्थानों व जिलों आदि का नाम बदला गया। मायावती ने प्रदेश की जनता से विरोधी पार्टियों की छलावे वाली राजनीति व बहकावे में नहीं आने की अपील की। वहीं, समाजवादी पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि सपा सरकार का ज्यादातर समय प्रदेश की गरीबी व पिछड़ेपन आदि को दूर करने की जगह बसपा सरकार में कराए गए विकास कार्यों को निष्क्रिय करने में बीता।

वित्तीय प्रतिबद्धताओं की मांग किए बिना कैसे बनेगी अमरावती राजधानी : वाईएस शर्मिला

» कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष ने सीएम नायडू को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष वाईएस शर्मिला रेड्डी ने अमरावती को राज्य की राजधानी का वैधानिक दर्जा देने वाले विधानसभा प्रस्ताव का समर्थन किया, लेकिन स्पष्ट वित्तीय प्रतिबद्धताओं के अभाव और आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम के तहत केंद्र के दायित्वों पर चिंता व्यक्त की। शर्मिला ने 28 मार्च, 2026 को एक विस्तृत पोस्ट में लिखा कि अमरावती की वैधानिक वैधता की पुष्टि करने वाला विधानसभा प्रस्ताव वास्तव में स्वागत योग्य है।

केंद्र से धारा 5 में संशोधन का अनुरोध करना भी एक उचित कदम है। उन्होंने धारा 94(3) के तहत निधि प्राप्त करने में इसी तरह की तत्परता के अभाव पर सवाल उठाया, जो केंद्र को राजधानी के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने का आदेश देती है। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू को निशाना बनाते हुए, शर्मिला ने पूछा कि क्या वित्तीय प्रतिबद्धताओं की मांग किए बिना धारा 5 (उपधारा 2) में अमरावती में शब्द जोड़ना पर्याप्त है? उन्होंने पूछा कि क्या यह उत्साह धारा 94(3) के तहत अमरावती के लिए निधि की मांग तक नहीं फैलता? क्या अमरावती को केवल एक राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से वास्तव में साकार किया जा सकता है? उन्होंने आगे सवाल उठाया कि क्या राज्य सरकार ने केंद्र को पर्याप्त रूप से जवाबदेह ठहराया है। उन्होंने कहा कि क्या आपको इस बात की जानकारी नहीं है कि नई राजधानी के निर्माण की जिम्मेदारी केंद्र सरकार की है? उन्होंने उन प्रावधानों का हवाला दिया जिनके अनुसार केंद्र सरकार को आवश्यक धनराशि उपलब्ध करानी होगी। शर्मिला ने प्रतीकात्मक कार्यों की आलोचना करते हुए कहा कि क्या हम श्री मोदी द्वारा औपचारिक रूप से भेंट किए गए एक घड़े पानी और एक टोकरी मिट्टी से ही संतुष्ट हो जाएं? बिलकुल नहीं। अमरावती के निर्माण की अनुमानित 1 लाख करोड़ रुपये की लागत नागरिकों पर थोपने के खिलाफ चेतावनी देते हुए उन्होंने पूछा, क्या हम सारा बोझ जनता पर डाल देंगे? और गठबंधन सरकार से विधानसभा में अपना पक्ष स्पष्ट करने का आह्वान किया। उनकी ये टिप्पणियां विपक्षी युवजन श्रमिक रायथु कांग्रेस पार्टी की आलोचना के बीच आई हैं, जिसने प्रस्ताव को राजनीतिक नाटक बताया है। पार्टी नेता सज्जाला रामकृष्ण रेड्डी ने आरोप लगाया कि यह कदम जनता का ध्यान भटकाने के उद्देश्य से उठाया गया है और ऐसे प्रस्ताव की आवश्यकता पर सवाल उठाया।

नीतीश कुमार ने एमएलसी पद से इस्तीफा भिजवाया

» सभापति अवधेश नारायण सिंह ने इस्तीफा स्वीकारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उनका इस्तीफा लेकर मंत्री विजय चौधरी और एमएलसी संजय गांधी विधान परिषद जाकर पहुंचे थे। नीतीश कुमार का त्यागपत्र महज 29 शब्दों में लिखा था।

सभापति अवधेश नारायण सिंह ने इस्तीफा स्वीकार करने की जानकारी दी। उनके साथ जदयू के कई वरिष्ठ नेता शामिल रहे। संवैधानिक नियमों के अनुसार, एक शख्स 14 दिन तक ही दो सदनों का सदस्य रह सकता है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 16 मार्च को राज्यसभा सदस्य के तौर पर निर्वाचित हुए थे। इसलिए 30 मार्च यानी आज उन्हें एक सदन से इस्तीफा देना पड़ा। हालांकि, नीतीश कुमार फिलहाल बिहार के मुख्यमंत्री बने रहेंगे। यह पद वह कब छोड़ेंगे इस पर अब तक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बांकीपुर विधानसभा से विधायक नितिन नवीन भी इस्तीफा देने की घोषणा कर दिया है। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी को अपना इस्तीफा रविवार सुबह ही सौंप दिया था। आज इसकी जानकारी दी गई है। अब संजय सरावगी नितिन नवीन का इस्तीफा विधानसभा जाकर देंगे। दरअसल, वह 29 मार्च या नहीं रविवार को ही इस्तीफा देने वाले थे विधानसभा से इसकी जानकारी भी दी गई विधानसभा अध्यक्ष भी दफ्तर में बैठ गए सारी तैयारी पूरी होने के बावजूद नितिन नवीन अचानक असम चले गए।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

नीतीश कुमार फिर से पलटी मार गए : तेजस्वी

» बिहार में बिजली बिल को लेकर सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में बिजली बिल को लेकर सरकार के नए आदेश से सियासत तेज हो गई है। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार पर फिर से पलटी मारने का आरोप लगाते हुए चुनाव में किए गए वादे याद दिलाए हैं। तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया में पोस्ट कर लिखा, नीतीश-भाजपा ने फिर पलटी मारी।

चुनावों के वक्त मुफ्त 125 यूनिट फ्री बिजली देने का वादा कर चीटर मीटर वाले महज 4 महीने में ही जनता को लूटने वाले अपने असल रंग में लौट आए। उन्होंने कहा कि अब बिहार में शाम 11 बजे तक सर्वाधिक खपत वाले 6 घंटे बिजली बिल 8.10 रूपये प्रति यूनिट, रात्रि 11 बजे से सुबह के 9 बजे तक यानि 10 घंटे तक 7.10 रुपए और फिर शेष 8 घंटे 5.94 ? प्रति यूनिट आपकी जेब से वसूलेंगे। 10 हजारिया के फेर में फौरी तौर पर खुश होकर वोट गिरवी रखने वालों को यह सरकार अभी इससे भी बुरे दिन दिखाएगी। नई सरकार के अभी 4 महीने ही हुए है, सरकार का खजाना एकदम खाली है और जो बचा-खुचा है उसे भ्रष्ट अधिकारी स्वयं समेट लेंगे। चुनाव आयोग की अनैतिकता, धूर्तता और निर्जल्लता के सानिध्य में मशीनी तंत्र के मार्फ़त जनतंत्र को खत्म करने के इरादे से लड़े गए इस चुनाव में भ्रष्ट भूंजा पार्टी एवं भ्रष्ट अधिकारियों के कार्टेल ने स्थापित लोकतांत्रिक मर्यादाओं, परंपराओं तथा लोकलाज को तार-तार करते हुए चुनाव के आखिरी 35 दिनों में (वोटिंग के समय तक भी) जो 41,000 हजार करोड़ रुपए नगद सरकारी खजाने का बांटा है, अब आगामी 5 साल तक उसकी जी भरकर वसूली करेंगे। थके-हारे जिस चेहरे को सोची समझी साजिश और षड्यंत्र के तहत मोहरा बनाया गया, अब उसी अचेत चेहरे को भ्रष्ट और डरपोक सिंडिकेट ने इकरारनामे के तहत दरकिनार कर ही दिया है।

बिहार सरकार के मंत्री कर रहे सरकारी पैसे का दुरुपयोग, जारी सियासी तकरार

लोजपा रामविलास के मंत्री का विवाद बढ़ा

» राजद ने उठाया सवाल, पूछा- विभाग का कैलेंडर या निजी फैक्ट्री का

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। लोजपा रामविलास के मंत्री का विवाद बढ़ता जा रहा है। राजद ने फिर संजय सिंह पर सवाल उठाया है। राजद ने सोशल मीडिया पर लिखा है, सरकारी पैसे का कैसे दुरुपयोग होता है इसका नमूना देख लीजिए!

बिहार सरकार के पीएचईडी मंत्री संजय सिंह अपने विभाग के कैलेंडर में अपने परिवार और बच्चों की फोटो लगवाकर क्या साबित करना चाहते हैं? ये बिहार सरकार के मंत्रालय का कैलेंडर है या मंत्री जी की निजी फैक्टरी का कैलेंडर? आगे राष्ट्रीय जनता दल ने संजय सिंह की आड़ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भी तंज कसा है। सोशल मीडिया पर लिखा है कि, स्व महिमामंडन में तो इन्होंने इस मामले में पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार को भी पीछे छोड़ दिया! जब कोई पार्टी जमीनी कार्यकर्ताओं को छोड़कर धन्ना सेठों को मंत्रालय रेवड़ियों की तरह बांटेगी तब यही तो होगा!

राजद ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें की साझा

पांच दिन पहले भी राजद ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरों को साझा करते हुए सोशल मीडिया पर संजय सिंह के खिलाफ कुछ आपत्तिजनक बातें पोस्ट की थी। उस पोस्ट में लिखा था,- बिहार के मंत्री का रिश्तेदार निकला शराब तस्कर! एक तरफ बिहार की एनडीए सरकार शराबबंदी का ढकोसला करती है, दूसरी तरफ अपने पोषित शराब तस्करों की मदद से बीजेपी और एनडीए सरकार के घटक दल अवैध कमाई करते हैं! बिहार सरकार के पीएचईडी मंत्री संजय सिंह के नजदीकी रिश्तेदार चंदन सिंह पर वैशाली मे शराब तस्करी का मामला दर्ज हुआ है!

सीएम नीतीश ने अपने सांसद पर की कार्रवाई गिरधारी यादव को जदयू ने नोटिस भेजा

जनता दल यूनाइटेड (जदयू)ने बांका से सांसद गिरधारी यादव के खिलाफ कथित दल-विरोधी गतिविधियों को लेकर लोकसभा अध्यक्ष को अयोग्यता का नोटिस सौंपा है। बताया जा रहा है कि लोकसभा में जदयू के नेता दिलेश्वर कामत ने स्पीकर को पत्र लिखकर गिरधारी यादव की सदस्यता समाप्त करने की मांग की है। आरोप है कि उन्होंने पार्टी लाइन के खिलाफ गतिविधियां की हैं। चुनाव के वक्त पार्टी विरोधि गतिविधियों में शामिल रहे। इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए गिरधारी यादव ने कहा कि जब मुझसे लोकसभा अध्यक्ष द्वारा इस संबंध में पूछा जाएगा, तब मैं अपना जवाब दूंगा। मुझे नहीं पता कि दिलेश्वर कामत ने क्या कहा है। मेरे खिलाफ किसी भी तरह की दल-विरोधी गतिविधि

का कोई रिकॉर्ड नहीं है। दरअसल, विधानसभा चुनाव के वक्त गिरधारी यादव का बेटा चाणक्य प्रकाश राजद में शामिल हो गए। उन्होंने बेलहर सीट से जदयू प्रत्याशी और विधायक मनोज यादव के खिलाफ चुनाव लड़ा। इसमें चाणक्य की हार हुई थी। इसके बाद से ही गिरधारी यादव पर सवाल उठने लगे थे।

संजय सिंह के एक वायरल वीडियो पर तंज कसा

राजद ने संजय सिंह के एक वायरल वीडियो पर तंज कसा था। सोशल मीडिया पर उसी वीडियो को पोस्ट करते हुए लिखा था कि, भाजपा जदयू सरकार में PHED मंत्री संजय सिंह पर लग रहे हैं पैसे लेकर फ्लैट नहीं देने के आरोप! वीडियो है वायरल! बिहार सरकार में चुन चुन कर फर्जी लोगों को मंत्री बनाया गया है! जिस पर जितने आरोप हैं, उसे उतना ऊंचा पद दिया गया है!

ललन बोले- यह फैसला हमने नहीं लिया

इस विवाद पर केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन (ललन) सिंह ने कहा कि यह फैसला हमने नहीं लिया है। यह निर्णय उन लोगों की ओर से लिया गया है, जिन्होंने अपने बेटे को विधानसभा चुनाव में आरजेडी के टिकट पर उतारा और खुद उसके लिए प्रचार भी किया। इसी आधार पर हमारे संसदीय नेता दिलेश्वर कामैत ने आवेदन दिया है। अब इस पर अंतिम निर्णय लोकसभा अध्यक्ष को लेना है।

राजद सांसद मीसा भारती ने उठाया सवाल

राजद सांसद मीसा भारती ने इस कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि गिरधारी यादव जदयू के सांसद हैं। अगर उनके बेटे ने चुनाव लड़ा है, तो वह वयस्क है और अपने फैसले खुद ले सकता है। ऐसे में इस आधार पर कार्रवाई करना सही नहीं है। अब देखना होगा कि आगे क्या निर्णय लिया जाता है।

पंजाब वेयरहाउस डीएम सुसाइड केस संसद में गरमाया

» शिरोमणि अकाली दल कांग्रेस और भाजपा के सांसद इस मुद्दे पर एकजुट

» शाह बोले- पंजाब के सांसद लिखकर दें, तुरंत करवाएंगे सीबीआई जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुक्तसर (पंजाब)। पंजाब वेयरहाउस कॉरपोरेशन के डीएम गगनदीप सिंह रंधावा की आत्महत्या का मामला संसद में भी गूंजा है। शिरोमणि अकाली दल, कांग्रेस और भाजपा के सांसद इस मुद्दे पर एकजुट नजर आए और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से सीबीआई जांच की मांग की।

गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट कहा कि यदि पंजाब के सांसद लिखित में सीबीआई जांच की मांग करते हैं तो केंद्र सरकार इस मामले को तुरंत सीबीआई को ट्रांसफर करने को तैयार है। शाह के इस बयान के बाद मामले में नया मोड़ आ गया है और परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। संसद में केंद्रीय राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने मामला उठाते हुए कहा कि रंधावा को मंत्री भुल्लर द्वारा कथित तौर पर इतना प्रताड़ित किया गया कि उन्होंने आत्महत्या जैसा कदम उठाया। बिट्टू ने आरोप लगाया कि मृतक डीएम ने अपने एमडी और डीसी को पत्र लिखकर प्रताड़ना की जानकारी दी थी, लेकिन अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने यह भी कहा कि मंत्री और उनके पिता पर डीएम को घर बुलाकर मारपीट करने के आरोप हैं।

बिट्टू की अपील- राजनीति से ऊपर उठें

रवनीत बिट्टू ने कहा कि इस गंभीर मामले में सभी दलों को राजनीति से ऊपर उठकर काम करना चाहिए। उन्होंने आम आदमी पार्टी के सांसदों से भी अपील की कि यदि वे पंजाबी हैं तो सीबीआई जांच के समर्थन में आगे आएं और लिखित मांग करें। मामले की गंभीरता और राजनीतिक हस्तक्षेप के आरोपों के बीच अब सभी की नजर इस पर है कि सांसद औपचारिक रूप से सीबीआई जांच की मांग करते हैं या नहीं।

बाघा पुराना के एसडीएम बबनदीप सिंह वालिया का मुद्दा भी उठा

बट्टू ने बाघा पुराना के एसडीएम बबनदीप सिंह वालिया का मुद्दा भी उठाया और कहा कि उन्होंने डीसी पर मानसिक प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने पंजाब में अराजकता का माहौल बताते हुए इसके लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराया। गृह मंत्री के बयान के तुरंत बाद शिरोमणि अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर बादल ने अमित शाह को पत्र लिखकर डीएम रंधावा मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी सरकार ने मंत्री भुल्लर के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और गिरफ्तारी में देरी कर लोगों का भरोसा तोड़ा है।

सीएम सैनी का पंजाब सरकार पर तीखा हमला

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा, पंजाब के लोग तरस रहे हैं, वहां के बुजुर्ग तरस रहे हैं। आप उनकी पेंशन 2500 रुपये करने का वादा किया था, लेकिन उन्हें 1500 रुपये भी नहीं मिल रहे हैं। उन्होंने महिलाओं को 1100 रुपये देने का वादा किया था, बजट में अफरा-तफरी में उन्होंने कहा कि देंगे। वे एससी महिलाओं को 1500 रुपये देंगे, लेकिन यह नहीं बताया कि कब देंगे। रजिस्ट्रेशन पहले होना चाहिए था। उन्होंने आखिरी बजट में रजिस्ट्रेशन शुरू किया और चुनाव से 10 दिन पहले महिलाओं के खाते में पैसे जमा करेंगे। लोग सब समझते हैं... हम यहां किसानों की फसल एमएसपी पर खरीद रहे हैं। लेकिन वह (भगवंत मान) काम नहीं कर रहे हैं, वह भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। उन्होंने लोगों की भलाई के लिए काम नहीं किया, वह अपनी सेवा करते रहे। जैसे दिल्ली में वे साफ हुए हैं, वैसे ही यहां भी साफ होंगे, और यहां बुरी तरह साफ होंगे।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

भारत ने कूटनीतिक नेतृत्व करने का महत्वपूर्ण अवसर खोया

भारत को, अपनी अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा और दोनों पक्षों से संबंधों को देखते हुए, कूटनीतिक नेतृत्व करना चाहिए था। अमेरिका और ईरान के बीच गुप्त मध्यस्थता के प्रयासों में पाकिस्तान, तुर्की और मिस्र की भूमिका की खबरों पर प्रतिक्रि या देते हुए थरूर ने कहा कि उन्होंने पहले भारतीय सरकार के सतर्क रुख का समर्थन किया था, क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि नई दिल्ली एक रचनात्मक शांति पहल के साथ आगे आएगी।

सर्वदलीय बैठक में सभी दलों ने एकजुट रहने की बात कही। उधर पाक का अमेरिका व ईरान के बीच मध्यस्थत की भूमिका पर भारत के रोल पर सवाल भी उठा। हालांकि सरकार ने पाक को दलाल कहकर मामले से पल्ला झाड़ा। पर जो भी हो अगर इस तरह की खबरें आ रहीं है तो भारत ने अपने अच्छे संबंधों का लाभ उठाकर कूटनीतिक नेतृत्व करने का एक महत्वपूर्ण अवसर खो दिया है। वहीं कांग्रेस नेता शशि थरूर ने पश्चिम एशिया संकट पर सरकार की चुप्पी की आलोचना करते हुए कहा कि पाकिस्तान जैसे देश शांति वार्ता का नेतृत्व कर रहे हैं, जिससे भारत को कोई श्रेय नहीं मिल रहा है। उन्होंने इस पर निराशा व्यक्त की। भारत को, अपनी अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा और दोनों पक्षों से संबंधों को देखते हुए, कूटनीतिक नेतृत्व करना चाहिए था। अमेरिका और ईरान के बीच गुप्त मध्यस्थता के प्रयासों में पाकिस्तान, तुर्की और मिस्र की भूमिका की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए थरूर ने कहा कि उन्होंने पहले भारतीय सरकार के सतर्क रुख का समर्थन किया था, क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि नई दिल्ली एक रचनात्मक शांति पहल के साथ आगे आएगी।

फिलहाल हालात अच्छे नहीं हैं। यह हम सबके लिए थोड़ा शर्मनाक है... मैंने ईरान युद्ध पर सरकार के संयम और चुप्पी का समर्थन इसलिए किया था क्योंकि मुझे उम्मीद थी कि सरकार इसका इस्तेमाल शांति स्थापित करने के लिए करेगी और शांति की अगुवाई करेगी, जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी अक्सर कहते हैं कि भारत को करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि मौजूदा परिणाम उन उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे हैं। लेकिन विडंबना यह है कि पाकिस्तान तुर्की और मिस्र के साथ मिलकर मध्यस्थता करने की कोशिश कर रहा है। मैं इससे खुश नहीं हो सकता। भारत से बार-बार आग्रह किया था कि वह अपनी राजनयिक सद्भावना का उपयोग करते हुए संबंधित देशों के बीच सार्थक बातचीत को बढ़ावा दे। नई दिल्ली के संतुलित संबंध उसे शांति पहल शुरू करने में एक अनूठा लाभ दे सकते थे। अगर पाकिस्तान में शांति वार्ता होती है, तो भारत का इससे कोई लेना-देना नहीं है। मैं लगभग तीन सप्ताह से भारत से आग्रह कर रहा हूं कि वह दोनों पक्षों के साथ अपने अच्छे संबंधों का लाभ उठाते हुए शांति पहल में अग्रणी भूमिका निभाए। अब, जाहिर तौर पर, पाकिस्तान, मिस्र और तुर्की ने ऐसा कर दिया है। उन्हें शुभकामनाएं, हम सभी शांति चाहते हैं। लेकिन जब पाकिस्तान शांति वार्ता कर रहा है तो भारत को कोई श्रेय नहीं मिल रहा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

खंडित वैश्विक परिदृश्य में भारत की विशेष भूमिका

लेफ्टिनेंट जनरल एसएस मेहता सेवानिवृत्त

अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्थाएं शायद ही कभी एक ही पल में ढहती हैं; वे धीरे-धीरे कमजोर होती हैं। वर्ष 1945 के बाद जो ढांचा बनाया गया था, उसकी रूपरेखा में विनाशकारी अस्थिरता को रोकने के लिए शक्ति का निर्वाह नियमबद्ध ढंग से और प्रगति को अनुमानित प्रारूप से उकेरा गया था। दशकों तक, यह रूपरेखा कायम रही। तथापि, अपने शैशवकाल में भी, इस व्यवस्था में प्रतिस्पर्धी महत्वाकांक्षाओं की छाप साथ चलती रही। जिन देशों को इस व्यवस्था को बनाए रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, वे अक्सर समानांतर रणनीतिक एजेंडे अपनाते थे, जिन नियमों को खुद लिखा था उनकी परीक्षा लेते रहे। तत्पश्चात नियमों का चयनात्मक पालन सामान्य बन गया।

शीत युद्ध ने प्रतिद्वंद्विता के माध्यम से अनुशासन थोपे रखा; दुनिया बंटी हुई थी, लेकिन गुटों की अनुमानित स्थिति के कारण स्थिरता बनी रही। सोवियत संघ के पतन के बाद कुछ समय के लिए एक 'एक-ध्रुवीय' दौर आया, जिसमें वैश्वीकरण की गति तेज हुई और आपूर्ति श्रृंखलाएं महाद्वीपों तक फैलीं। इस विस्तार के भीतर ही तनाव के बीज छिपे थे। परस्पर निर्भरता बढ़ी, लेकिन साथ ही विषमता भी। दक्षता की ललक, सहनशीलता से कहीं ज्यादा तेज रफ्तार से बढ़ी। जिन नेटवर्कों ने समृद्धि लाने में मदद की, उन्होंने ही जोखिम भी पैदा कर दिया, जिसमें अपना फायदा जबरन या महत्तवपूर्ण वस्तुओं को रोककर उठाया जा सकता था। आर्थिक एकीकरण, जिसे कभी एक स्व-स्थिरकारी माना जाता था, अब तेजी से प्रतिस्पर्धा के रूप में सामने आने लगा। आज ढांचा खड़ा तो है, लेकिन इसका अधिकार क्षेत्र सीमित हो गया। नियम का जिक्र तो किया जाता है, लेकिन लागू चुनिंदा ढंग से ही होते हैं। हम जो देख रहे हैं, वह कोई अचानक आया पतन नहीं बल्कि जो अनुशासन कभी व्यवस्था के दौरान कायम रहा, उसके प्रति सहमति को धीरे-धीरे कम किया जा रहा है। जैसे-जैसे पुरानी सहमति के स्तंभ कमजोर हो रहे हैं, दुनिया नए 'गुरुत्व केंद्र' की तलाश में है। वह गुरुत्व केंद्र कौन प्रदान कर सकता है, यह मामूली सवाल नहीं।

बदलती व्यवस्था का बहाव थामने में हरेक शक्ति एक समान समर्थ नहीं। इसके लिए भूगोल, इतिहास, सभ्यतागत स्मृति और संयम रखने के पिछले रिकार्ड को एक साथ मिलाने जरूरत है। इसे एक ऐसी रणनीतिक संस्कृति की

भी जरूरत है, जिसकी नीयत किसी और पर अपना वर्चस्व स्थापित करना न हो; संवैधानिक त्वरित सोच की ज़रूरत है, जो एकरूपता थोपने के बजाय विविधता साथ लेकर चले। इसे एक ऐसे बहुलवादी लोकाचार पर आधारित होना चाहिए, जो मुक्त दुनिया के साथ जुड़ाव तो रखे, लेकिन खुद उसमें न डूबे। इन गुणों बगैर भटकाव स्वत: ठीक नहीं होता; बल्कि और गहरा होता जाता है और अक्सर उनको फायदा देने लगता है, जिन्होंने नियम तो गढ़े, लेकिन उन पर अमल न करने के बहाने ढूंढते हैं। सभ्यता, पैमाना और दायित्व : भारत की सभ्यतागत स्मृति, उसकी भौगोलिक केंद्रीयता के साथ मिलकर, एक विशिष्ट रणनीतिक स्थिति का निर्माण करती है। यह अपने आप में एक महाद्वीप है, उत्तर में हिमालय का प्रश्रय है-ऐसा क्षेत्र जिसने लंबे समय ढाल और मार्ग की भूमिका निभाई। हिमालयी पर्वत श्रृंखला ने न केवल रक्षा की, बल्कि सदियों व्यापार का मार्ग बना रहा और आक्रमणों को भी सीमित किया; इस प्रक्रिया ने ऐसी सभ्यता को आकार दिया जो अपनी मूल पहचान खोए बिना बाहरी प्रभाव आत्मसात कर लेती है। इसका प्रायद्वीपीय विस्तार साझे समुद्री क्षेत्रों तक फैला हुआ है, जो वैश्विक व्यापार की मुख्य धमनियों में इसकी अहम उपस्थिति यकीनी बनाता है। होर्मुज जलडमरूमध्य से लेकर मलक्का जलडमरूमध्य और बाब अल-मंडेब तक, वाणिज्य के प्रमुख समुद्री गलियारे भारत से सटकर निकलते हैं। ये सभी विशिष्टताएं भारत को अव्यवस्था का सामना करने की क्षमता के साथ स्थिर और संतुलित करने का सामर्थ्य प्रदान करती हैं। संतुलन बतौर सक्रिय रणनीति : विखंडित होती दुनिया में, संतुलन अब अपरोक्ष परिणाम नहीं रहा, एक सक्रिय रणनीति है। भारत का दृष्टिकोण, अपनी हस्ती कायम रखते हुए, वृहद जुड़ाव बनाना है, और अलग-थलग पड़े बिना स्वायत्तता बनाए रखनी है।

ऐसे रुख को अक्सर रणनीतिक स्वायत्तता कहते हैं, लेकिन इसका सार वाजिब संतुलन में है, प्रतिस्पर्धी ध्रुवों के बीच भी, संबंध बरकरार रखना और हितों को कमजोर किए बिना संवाद जारी रखने की क्षमता। यह मानकर कि अब गठबंधन अमूमन पूर्ण नहीं होता, परिस्थितिजन्य होता है। ऐसा संतुलन न तटस्थता है और न अनिर्णय। विखंडन के युग में, भावावेश में किसी एक पक्ष में होने की प्रवृत्ति से कहीं अधिक मूल्यवान है, एक सेतु के रूप में कार्य करने की क्षमता। बल का विश्वसनीय समायोजनीय संतुलन : संतुलन केवल संयम पर टिका नहीं रह सकता।

वक्त बदला है तो सास को भी बदलना होगा

क्षमा शर्मा

पिछले दिनों आपने एक दिलचस्प खबर पढ़ी होगी। इसमें बताया गया कि पंजाब के बठिंडा जिले के बल्लो गांव की पंचायत ने बेस्ट सास अवार्ड शुरू किया है। इसकी पहल गांव की सरपंच अमरजीत कौर ने की। इसे प्रति वर्ष आठ मार्च को यानी अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिया जाएगा। छह महिलाओं को पुरस्कृत भी किया गया। यह पुरस्कार किन महिलाओं को दिया जाए, इसके लिए पूरे गांव से रिपोर्ट ली जाएगी। बहुओं और पड़ोसियों की राय पर भी ध्यान दिया जाएगा। सरपंच अमरजीत कौर ने यह भी कहा कि इससे पारिवारिक सम्बंध मजबूत होंगे। समझदार सास घर की नींव होती है, जो अपनी बहू को अपनाकर घर को स्वर्ग बना देती है। इस अवसर पर सबसे अधिक पुस्तकें पढ़ने वाली महिलाओं को भी सम्मानित किया गया।

अपने समाज में लड़की को बचपन से ही सिखाया जाता है कि उसे पराए घर जाना है। पराए घर जाकर सास से निपटना है। सास की तस्वीर बहुत डरावने ढंग से पेश की जाती थी। बचपन की एक घटना अक्सर याद आती है। छठी कक्षा में पढ़ती थी। लड़कियों का स्कूल था। वहां एक बहुत वृद्ध महिला गणित पढ़ातीं। सफेद साड़ी ही पहनतीं। उनके बाल भी एकदम सन से सफेद थे। एक दिन गणित पढ़ाते-पढ़ाते, वे हम सब लड़कियों से कहने लगीं कि सिर्फ गणित पढ़ने से ही, सब कुछ नहीं होगा। जब ससुराल जाओगी तो वहां कैसे जीना है, यह सीखना पड़ेगा। एक लड़की ने पूछा कि बहन जी क्या सीखना होगा। तब वह हंसते हुए बोलीं कि सास के लिए इम्तिहान में पास होना। कैसा इम्तिहान, तो उन्होंने बताया कि हर सास का इम्तिहान लेने का तरीका अलग-अलग होता है। जैसे कि मेरी शादी जब हुई तो मैं बारह साल की थी। शादी के अगले दिन ही सास ने गेहूं और बाजरा मिलाकर सामने रख दिया कि इसे अलग-अलग करो। शाम तक काम पूरा करना है। घर के और काम भी थे। शाम क्या, पूरी रात हो गई, फिर भी नहीं कर पाई।

इसी तरह एक दिन नमक और चीनी मिलाकर रख दी। नमक में से चीनी बीननी थी। शर्त यह भी थी कि चीनी से एक भी नमक का दाना चिपका नहीं रहना चाहिए। उनकी बातें सुनकर घबराहट-सी होने लगी। घर जाकर मां को सारी बात बताई। यह भी पूछा कि क्या अम्मा (दादी) भी तुम्हारे साथ ऐसा करती थीं। मां ने हंसकर कहा, तेरी अम्मा बड़ी कठोर स्वभाव की थीं। बहुओं को पर्दे में रखती थीं, उनकी हर बात को मानना भी पड़ता था, मगर ऐसा कभी नहीं किया। ये तो टाइम खराब करना हुआ कि बाजरे में गेहूं मिला दो और चीनी में नमक। इससे तो गेहूं साफ ही करा लिए जाते, जिससे कि काम बचता। और नमक से चीनी चाहे जितनी अलग कर ली हो, नमकीन हो गई होगी। मां ने चाहे जितना समझाया, लेकिन सास की तस्वीर ऐसी बनी रही। बड़ी होकर जब भी साथ की किसी लड़की की शादी होती और वह कहती कि उसकी सास बहुत अच्छी हैं, तो लगता कि झूठ बोल रही है। क्योंकि मान लिया था कि सास खराब ही होती हैं, जो अक्सर दिखता भी था। पुराने जमाने की हिंदी फिल्मों में भी ललिता पंवार मार्का सासें दिखाई देती थीं।

जिनका पहला और आखिरी काम यही होता था कि वे बहू को कैसे सताएं। इसके लिए वे अपने बेटों को बहू को पीटने और शारीरिक हिंसा करने के लिए भी उकसाती थीं। जब बहू पिटती थी, दर्शक तालियां बजाते थे। ये वे बहुएं होती थीं, जिन्हें घुट्टी में पिलाया जाता था कि जिस घर में डोली गई, वहां से अर्थी ही उठे। ये अभागी महिलाएं करतीं भी क्या, क्योंकि शादी के बाद इन्हें अपने परिवार वाले भी ससुराल के भरोसे छोड़ देते थे। तलाक लेना बहुत बदनामी का कारण बनता था। ये बहुएं न शिक्षित थीं और न ही आत्मनिर्भर। आखिर जाती भी कहां। इसलिए सास और ससुराल को सहने और समझौता करने के अलावा और कोई रास्ता भी नहीं था। और तो और बहुत से परिवारों में गैस होते हुए भी अक्सर स्टोव बहुओं पर फट जाते थे। स्टोवों को भी मालूम था कि उन्हें बस बहुओं पर ही फटना है। अक्सर दहेज हत्याएं ऐसे ही की जाती थीं। इस संदर्भ में महान लेखिका महादेवी वर्मा का संस्मरण भाभी इतना मार्मिक है कि पढ़ते हुए आंसू बहने लगते हैं। यहां बहू को सताने के लिए सास नहीं, ननद है, वह भी विवाहित। जो जब आती है, तब अपनी विधवा भाभी को बुरी तरह से पीटती है, उसे जगह-जगह जलाती है। और उन्नीस साल की विधवा स्त्री, यह सब झेलने को मजबूर है। इन सासों की मानसिकता पर ध्यान दें, तो ये अपनी सास के अत्याचार का बदला, बहुओं से लेती थीं।

जो इन्होंने सहा, बहू भला उससे कैसे बचे और क्यों बचे। जबकि कायदे से होना यह चाहिए था कि जो अपमान, अत्याचार, जिल्लत, इन्होंने सही, वह बहू को न सहनी पड़े और एक तरह से अत्याचार का सिलसिला थमे। संयुक्त परिवारों की ये ऐसी आफतें थीं, जिनका शिकार बहुएं होती थीं। दहेज का तड़का इन अत्याचारों को बेतहाशा बढ़ाता था। इन दिनों भी बहुत-सी रील्स और वीडियो ऐसे दिखते हैं, जहां हर बात पर सास बहू को सताते दिखाई देती है, लेकिन अंत तक आते-आते सास का हृदय परिवर्तन हो जाता है। आज वक्त बदला हुआ है। लड़कियां पढ़-लिख गई हैं। अपने पांवों पर खड़ी हैं। गांव-गांव लड़कियों की आत्मनिर्भरता को परिवार और समाज ने स्वीकार कर लिया है। उनकी शिक्षा चलती रहे, इसके लिए उन्हें तरह-तरह की सरकारी सहायता मिलती है। उनकी रक्षा के लिए बहुत से कानून भी हैं।

करेला

शुगर और इंफेक्शन दोनों कम करता है

भारतीय खान-पान और आहार व्यवस्था को सदियों से सेहत के लिए बहुत लाभकारी माना जाता रहा है। इसमें आधुनिक जीवनशैली से जुड़ी कई गंभीर बीमारियों का समाधान छिपा हुआ है। सदियों से भारत में खानपान को सिर्फ पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि शरीर और मन को संतुलित रखने का तरीका माना गया है। आयुर्वेद और मेडिकल साइंस दोनों इस बात की पुष्टि करते हैं कि सही भोजन डायबिटीज, हृदय रोग, मोटापा और हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों के जोखिम को काफी हद तक कम कर सकता है। भारतीय आहार में मौजूद साबुत अनाज लो-ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाले होते हैं, जिससे ब्लड शुगर कंट्रोल रहता है। दालें और चना प्रोटीन व फाइबर से भरपूर होते हैं जो शरीर की फिटनेस को बेहतर बनाए रखने में मदद करते हैं। करेला भारतीय आहार की प्रमख सब्जी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसे कई गंभीर बीमारियों की प्राकृतिक दवा मानते हैं। करेला स्वाद में भले ही कड़वा हो, लेकिन सेहत के लिहाज बेहद फायदेमंद है। इसमें मौजूद बायोएक्टिव कंपाउंड्स, विटामिन्स और मिनरल्स कई गंभीर बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद करते हैं।

इम्युनिटी बढ़ाने में सहायक

सिर्फ ब्लड शुगर कंट्रोल करने में ही नहीं, करेला के नियमित सेवन के और भी कई सारे लाभ हैं। करेला इम्युनिटी बढ़ाने और संक्रमण से बचाव में भी अहम भूमिका निभाता है। इसमें विटामिन-सी, विटामिन-ए और एंटीऑक्सीडेंट्स प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। करेला में मौजूद एंटीमाइक्रोबियल और एंटीवायरल गुण त्वचा के संक्रमण, फंगल इन्फेक्शन और मौसमी बीमारियों के जोखिम को कम करने में सहायक माने जाते हैं।

पाचन तंत्र करे मजबूत

करेला वैसे तो कई बीमारियों को ठीक करने में प्रभावी है, पर कुछ सब्जियों और खाद्य पदार्थों के साथ इसे खाने से दिक्कत हो सकती है। इसलिए करेले का सेवन करते समय सावधानी बरतनी चाहिए। करेला पाचन तंत्र को मजबूत करने में भी बेहद फायदेमंद है। इसमें डाइटरी फाइबर की अच्छी मात्रा होती है, जो कब्ज, गैस और अपच जैसी समस्याओं में लाभकारी है।

सावधानियां

करेला का नियमित सेवन लाभकारी है, पर आयुर्वेद में करेले के साथ कुछ पदार्थों का सेवन वर्जित बताया गया है। करेले खाने के बाद दूध नहीं पीना चाहिए। इससे पाचन संबंधी समस्याएं, गैस, ब्लोटिंग और एसिडिटी हो सकती हैं। करेला और पालक का भी एक साथ सेवन नहीं करना चाहिए। इससे शरीर में ऑक्सलेट की मात्रा बढ़ सकती है, जिससे गुर्दे में पथरी बनने का खतरा बढ़ जाता है। कड़वाहट कम करने के लिए कुछ लोग करेला के साथ दही का सेवन कर लेते हैं। इससे त्वचा पर रेशेज और खुजली हो सकती है। करेला और आम का सेवन भी एक साथ नहीं करना चाहिए। इससे उल्टी-मतली, जलन और एसिडिटी की समस्या हो सकती है।

वजन घटाने में सहायक

हेल्दी डाइट और लाइफस्टाइल में सुधार के साथ अगर करेला का सेवन किया जाए तो ये वजन घटाने और हृदय दोनों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। वजन घटाने और हार्ट हेल्थ के लिए भी करेला उपयोगी है। इसमें कैलोरी बहुत कम होती है और फाइबर ज्यादा, जिससे पेट लंबे समय तक भरा रहता है और आप ओवरईटिंग से बचते हैं। और बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने और गुड कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने में भी इसे फायदेमंद पाया गया है। ये धमनियों में सूजन कम करता है जिससे दिल की बीमारियों का खतरा घटता है।

शुगर करे कंट्रोल

करेला का सेवन डायबिटीज कंट्रोल के लिए वर्षों से किया जाता रहा है। इसमें मौजूद चरेंटिन, वाइसिन और पॉलीपेप्टाइड-पी जैसे तत्व शरीर में इंसुलिन जैसा प्रभाव दिखाते हैं। कई अध्ययनों में पाया गया है कि करेला ब्लड शुगर लेवल को कम करने में मदद करता है और टाइप-2 डायबिटीज के मरीजों के लिए सहायक हो सकता है। नियमित रूप से करेला का सेवन फास्टिंग और पोस्ट-प्रांडियल शुगर दोनों को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है।

हंसना मना है

शादी की सालगिरह पर पत्नी को गुलाब देते हुए पति बोला, सालगिरह मुबारक हो! पत्नी- यह नहीं मुझे कोई सोने की चीज चाहिए। पति- ओ, यह लो तकिया और आराम से सो जाओ।

टीचर- बस के ड्राइवर और कंडक्टर में क्या फर्क है? स्टूडेंट- कंडक्टर सोया तो किसी का टिकट नही कटेगा, ड्राइवर सोया तो सबका टिकट कट जायेगा।

लड़का- डिअर मेरी आंखों में देखो, तुम्हें क्या दिख रहा है? मुझे जल्दी से बताओ!' लड़की -'सच्चा प्यार' लड़का -सच्चा प्यार की बच्ची कचरा गया है जल्दी फूंक मार।

आज फिर एक सरदार ने कमाल कर दिया, एक सरदार बैंक में आकर सो गया, जानते हो क्यों? बैंक के बोर्ड पे लिखा था, सोने पे लोन मिलेगा।

आपने कभी सोचा है, की पति और चाय की पत्ति में क्या समानता है? दोनों के नसीब में जलना और उबालना लिखा है और वो भी औरतों के हाथ से।

बच्चा मेडिकल वाले से- अंकल, गोरा करने वाली कोई क्रीम है? मेडिकल वाला: हां है.. शरारती बच्चा: तो साले, लगाता क्यों नहीं? रोज तेरा मुंह देखकर डर जाता हूं!

कहानी | ज्ञानी बालक और राजा

युधिष्ठिर नाम का एक राजा शिकार का बड़ा शौक था। एक बार वह अपने सैनिकों के साथ शिकार के लिए जंगल गया हुआ था। वो जंगल काफी घना था। शिकार की तलाश में वह जंगल में काफी अंदर तक चला गया था। तभी वहां अचानक तेज तूफान आ गया। सब तितर-बितर हो गए। जब बारिश रुकी तो राजा ने देखा कि उसके आस-पास कोई भी नहीं है। शिकार की तलाश में भटकने की वजह से राजा थक भी गया था। भूख और प्यास के मारे उसका बुरा हाल हो रहा था। तभी उसे तीन लड़के आते दिखे। राजा उनके पास गया और बोला कि भूख और प्यास के मारे मेरी जान निकल रही है। क्या मुझे कुछ खाना और पानी मिल सकता है। लड़कों ने बोला क्यों नहीं और वे भागकर अपने घर गए और राजा के लिए भोजन और पानी लेकर आए। खाना खाने के बाद राजा बहुत खुश हुआ और उसने उन लड़कों को बताया कि वह फतेहगढ़ का राजा है और तीनों ने जो उसकी मदद की उससे वह बहुत खुश है। राजा ने तीनों लड़कों की सेवा से खुश होकर उन्हें बदले में कुछ मांगने के लिए कहा। इसपर पहले लड़के ने राजा से ढ़ेर सारा धन मांगा, ताकि वह आराम से अपना जीवन व्यतीत कर सके। दूसरे ने घोड़ा और बंगले की मांग की, लेकिन तीसरे ने राजा से धन, दौलत की जगह ज्ञान मांगा। उसने बोला राजा मैं पढ़ना चाहता हूं। राजा राजी हो गया। उसने पहले को वादानुसार बहुत सारा धन दिया। दूसरे को बंगला और घोड़ा दिया और तीसरे लड़के के लिए टीचर की व्यवस्था कर दी। बहुत दिन बाद एक दिन अचानक राजा को जंगल वाली घटना याद आई, तो उसने उन तीनों लड़कों से मिलना चाहा। उसने तीनों को खाने पर आमंत्रित किया। तीनों लड़के एक साथ आए और खाना खाने के बाद राजा ने तीनों से उनका हाल लिया। इस पर पहला लड़का दुखी होकर बोला- इतना धन पाने के बाद भी आज मैं गरीब हूं। राजा जी आपने जितना धन दिया था अब वह खत्म हो चुका है। मेरे पास कुछ नहीं बचा। राजा ने दूसरे लड़के की तरफ देखा तो उसने कहा- आपके द्वारा दिया गया घोड़ा चोरी हो गया और बंगला बेचकर जो पैसा आया वो भी कुछ खर्च हो चुका है और बचा हुआ भी जल्द खत्म हो जएगा। हम तो फिर वहीं आ गए, जहां से चले थे। अब राजा ने तीसरे लड़के की ओर देखा। तीसरे लड़के ने बोला- राजा मैंने आपसे ज्ञान मांगा था, जो रोजाना बढ़ रहा है। इसी का नतीजा है कि मैं आज आपके दरबार में मंत्री हूं। आज मुझे किसी चीज की जरूरत नहीं है। यह सुनकर दोनों युवकों को काफी अपसोस हुआ।

7 अंतर खोजें

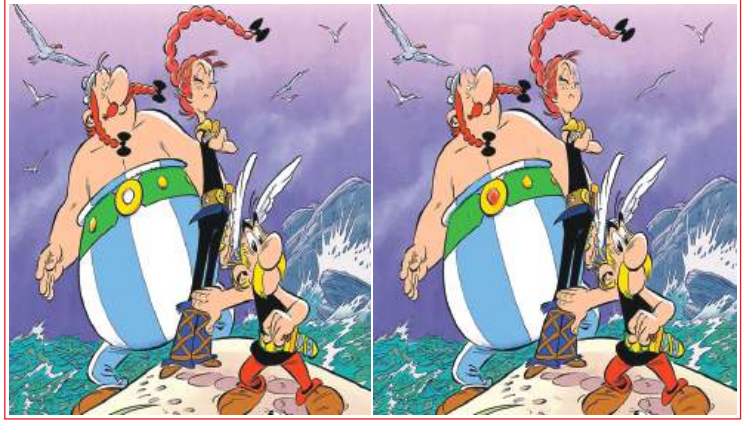

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

लेनदारी वसूल करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। समय पर कर्ज चुका पाएंगे।

वृषभ

शारीरिक कष्ट संभव है। पारिवारिक समस्या से चिंता बढ़ सकती है। नई आर्थिक नीति बन सकती है। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन से भविष्य में लाभ होगा।

मिथुन
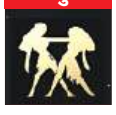
धार्मिक कार्य में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

कर्क

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। धनागम होगा। प्रतिद्वंद्वी अपना रास्ता छोड़ देंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह

संपत्ति की खरीद-फरोख्त में सफलता मिलेगी। स्थायी संपत्ति की दलाली बड़ा लाभ दे सकती है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कन्या

व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। भूमि व भवन संबंधी कार्य लाभदायक रहेंगे। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। आय के साधनों में वृद्धि होगी। अज्ञात भय सताएगा।

तुला

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा।

वृश्चिक

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

धनु
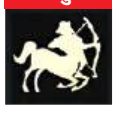
कानूनी अड़चन सामने आएगी। अज्ञात भय सताएगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मकर

स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। घर में अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे।

कुम्भ

सुख के साधनों पर व्यय होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। निवेश शुभ रहेगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

मीन

शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। हल्की हंसी-मजाक न करें। किसी अपरिचित व्यक्ति पर भरोसा न करें।

तीन अप्रैल को ओटीटी पर रिलीज होगी मृत्युंजय

साउथ एक्टर श्री विष्णु की फिल्म मृत्युंजय एक बार फिर चर्चा में आ गई है। हुसैन शाह किरण ने निर्देशन में बनी ये एक ये एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है, जो 6 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ हुई थी। वहीं अब इस फिल्म की OTT रिलीज डेट सामने आ चुकी है।

मृत्युंजय ओटीटी रिलीज के लिए तैयार है। नेटफ्लिक्स के ऐप कैटलॉग के मुताबिक, यह फिल्म 3 अप्रैल 2026 से स्ट्रीमिंग के लिए अवेलेबव होगी। माना जा रहा है कि फिल्म को कई भाषाओं में रिलीज किया जा सकता है, जिससे इसे नई ऑडियंस तक पहुंचने का मौका मिलेगा।

बता दें, थिएटर्स में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाने वाली इस फिल्म को अब OTT से बेहतर रिस्पॉन्स मिलने की उम्मीद है। फिल्म में रेबा मोनिका जॉन लीड रोल में हैं, जबकि वीर आर्यन विलेन के किरदार

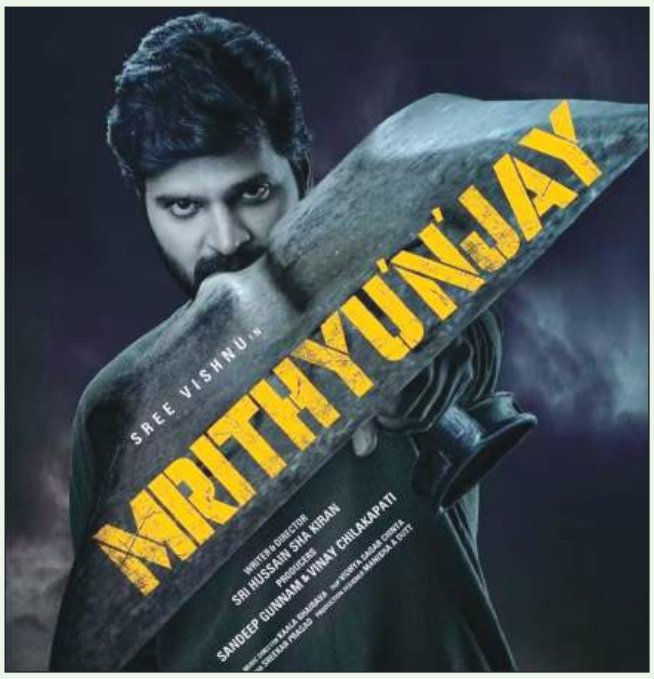

में है। इसके अलावा फिल्म में बेबी उहा, सुधर्शन, अय्यप्पा शर्मा और राचा रवि जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म को संदीप गुन्नम और विनय चिलकापाटी ने प्रोड्यूस किया है, जबकि इसका म्यूजिक काल भैरव ने दिया है।

फिल्म मृत्युंजय की कहानी जय नाम के एक आम इंसान के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पेशे से अखबार में काम करता है। उसके बचपन का एक गहरा सदमा उसे हमेशा परेशान करता रहता है, और यही वजह है कि वह रहस्यमयी मामलों की ओर खिंचता चला जाता है। जब हैदराबाद में लगातार कुछ मौतें होने लगती हैं, तो जय खुद ही इस रहस्य की तह तक जाने का फैसला करता है। धीरे-धीरे उसकी यह जिज्ञासा एक खतरनाक जांच में बदल जाती है, जहां हर कदम पर उसे नए राज और खतरे का सामना करना पड़ता है। यह फिल्म दिखाती है कि कैसे एक आम आदमी सच्चाई की तलाश में अपनी सीमाओं से आगे निकल जाता है और एक खतरनाक कातिल को पकड़ने की कोशिश करता है।

जल्द ही कॉकटेल 2 में दिखेगा कृति सेनन का ग्लैमरस अंदाज

शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना की तिकड़ी जल्द ही अपकमिंग फिल्म कॉकटेल 2 में नजर आने वाली है। इस वक्त यह फिल्म काफी चर्चा में बनी हुई है। यह फिल्म साल 2012 में आई कॉकटेल का सीक्वल है। हाल ही में इस फिल्म के बारे में एक्ट्रेस कृति सेनन ने बात की है। उन्होंने बताया कि फिल्म में जिस तरह का किरदार वह निभा रही हैं, वैसा उन्होंने पहले कभी नहीं किया। एक्ट्रेस का कहना है कि ऑडियंस ने उन्हें ऐसे अवतार में पहले कभी नहीं देखा होगा। इस फिल्म के किरदार को कृति ने अपने करियर का सबसे हॉट किरदार बताया है।

हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में कृति सेनन ने एक न्यूज पोर्टल को बताया कि फिल्म में उन्हें बेहद अलग किरदार मिला है। इसके लिए निर्देशक होमी अदजानिया की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि विजुअल को लेकर उनकी समझ बहुत मजबूत है। डायरेक्टर ने उनके अंदर के कूल साइड को बाहर निकाला है, जिसके बारे में वह पहले से अनजान थीं।

एक्ट्रेस ने बताया, कॉकटेल 2 में उनका कैरेक्टर पिछली तमाम फिल्मों में निभाए गए किरदारों से काफी अलग है। इस कैरेक्टर का स्टाइल और एटीट्यूड दोनों ही अलग हैं। इस किरदार को यूनिक और स्पेशल बताते हुए कृति ने कहा कि इसने उन्हें ग्लैमर और तेज-तर्रार शख्सियत वाले किरदार के साथ एक्सपेरिमेंट करने का मौका दिया है। वहीं, फिल्म तेरे इश्क में की बात करते हुए कृति ने बताया कि उसमें उन्होंने एक इमोशनल और इंटेंस किरदार निभाया था। इसका निर्देशन आनंद एल राय ने किया था। तेरे इश्क में करने के बाद मैंने फैसला किया कि यह प्रोजेक्ट बहुत थकाने वाला था, जिसकी वजह से उन्हें कुछ हल्का और ज्यादा मजेदार काम करने की जरूरत महसूस हुई। अगर अपकमिंग फिल्म कॉकटेल 2 की बात करें तो यह पर्दे पर 19 जून 2026 को दस्तक दे सकती है। फिल्म का टीजर रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 के साथ सिनेमाघरों में दिखाया गया था। हालांकि, फिल्म का कोई भी टीजर अब तक यूट्यूब या सोशल मीडिया पर सामने नहीं आया है।

बॉलीवुड | मन की बात

फिल्म मिर्जापुर का हिस्सा बनने पर मैं बहुत खुश हूं : सोनल चौहान

अगर किसी कलाकार को कोई शो या फिल्म बहुत पसंद आती है और उसके अगले सीजन या फ्रेंचाइजी में उस कलाकार को मौका मिल जाए, तो वह अनुभव उसके लिए बहुत खास होता है। जन्नत, 3जी और आदिपुरुष फिल्मों की अभिनेत्री सोनल चौहान के साथ कुछ ऐसा ही हुआ। पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु शर्मा अभिनीत वेब सीरीज मिर्जापुर सोनल की पसंदीदा वेब सीरीज है। अब इस शो पर फिल्म मिर्जापुर : द मूवी बन रही है, तो सोनल को भी इस फिल्म में मौका मिला है, जबकि वह वेब सीरीज का हिस्सा नहीं थी। ऐसे में इस फिल्म को लेकर वह बताती हैं, 'मेरे लिए यह फिल्म करना बहुत अच्छा अनुभव रहा, क्योंकि मैं स्वयं मिर्जापुर की बहुत बड़ी प्रशंसक हूं। मैंने इस शो के सारे सीजन देखे है। कभी सोचा नहीं था कि एक दिन मैं स्वयं भी मिर्जापुर का हिस्सा बनूंगी। फिल्म की टीम ने कभी मुझे असहज महसूस नहीं होने दिया। हमने पूरी फिल्म बहुत मस्ती और मजे के साथ शूट किया है। दर्शकों को भी इसे देखने में बहुत आनंद आएगा।' शो में अपने पसंदीदा पात्र को लेकर सोनल कहती हैं, 'कालीन भैया, मुन्ना और गुड्डू यह तीनों मेरे सबसे पसंदीदा पात्र हैं। अगर इन तीनों में भी अगर सबसे पसंदीदा की बात करें तो मैं मुन्ना को कहूंगी। वह ऐसा पात्र थे, जिसमें बहुत अलग-अलग पहलू थे।' सोनल इस फिल्म के वाराणसी शेड्यूल का भी हिस्सा रही। वहां शूटिंग के अनुभवों को लेकर वह बताती हैं, 'बनारस (वाराणसी) मेरी सबसे पसंदीदा जगहों में से एक है। मैं भगवान शिव में बहुत आस्था रखती हूं। काशी में इससे पहले भी मैं शूट कर चुकी हूं और जब भी वहां गई हूं तो काशी विश्वनाथ मंदिर जरूरी जाती हूं। इस बार भी गई थी। बनारस दुनिया के सबसे प्राचीनतम शहरों में एक है। एक पवित्र शहर। वहां जो पहुंच जाए, वो भाग्यशाली है। भगवान की कृपा से मेरा वहां शूटिंग से लेकर घूमने, खाने और भगवान विश्वनाथ के दर्शन करने समेत हर जगह बहुत अच्छा अनुभव था।'

सन 1928 में मुंबई में लगा था पहला पेट्रोल पंप, प्रति ली. की कीमत सुन हो जायेंगे हैरान

भारत में आपको लगभग हर शहर में 1 किलोमीटर की दूरी पर पेट्रोल पंप मिल जाएंगे। कई जगहों पर आटोमैटिक पंप भी लगे होते हैं, जहां तेल की संख्या दर्ज करते ही पाइप से तेल आने लगता है। क्या आप जानते हैं कि आखिर भारत में पेट्रोल पंप कब आया और यह सबसे पहले किस शहर में खुला? भारत का पहला पेट्रोल पंप 1900 की दशक में मुंबई में बना था। इसे बर्मा शेल यानी आज के समय में भारत पेट्रोलियम ने खोला था। पहला पेट्रोल पंप साल 1928 में मुंबई के हुगेस रोड (अब एनी बेसेंट रोड, वर्ली) पर बना था। इसे बर्मा शेल स्टेशन नाम दिया गया। शुरुआत में पेट्रोल पंप काफी छोटे बनाए जाते थे। पहले पेट्रोल पंप पर केवल 2 हैंड ऑपरेटेड डिस्पेंसर बनाए गए थे। उस दौरान पेट्रोल की खपत लगभग 100 लीटर के बराबर होती थी क्योंकि उस दौरान गाड़ियों की संख्या भी सीमित होती थी। पहले पेट्रोल पंप की क्षमता 900-1200 लीटर स्टोरेज टैंक की थी। भारत में उस समय कोई रिफाइनरी मौजूद नहीं थी। ऐसे में पेट्रोल जहाजों की मदद से ईरान, बर्मा और पश्चिम एशिया से मुंबई पोर्ट पर पहुंचता था। बंदरगाह पहुंचने के बाद पेट्रोल को कई कंटेनर में भरा जाता था, जहां से बैगलाड़ी के जरिए ये पेट्रोल पंप तक पहुंचते थे। इन ड्रमों पर हैंडपंप लगाया जाता था, जिससे फिर पेट्रोल को गाड़ियों में डाला जाता था। उस दौर में पेट्रोल पंप के नाम पर केवल हैंड पंप और ड्रम सिस्टम ही था। भारत के पहले पेट्रोल पंप में आज के मुकाबले पेट्रोल की कीमत काफी अलग थी। उस दौरान गाड़ियों की संख्या भी बेहद कम थी। तब पेट्रोल की कीमच 1 आना-2 आना होती थी यानी तकरीबन 6 पैसे से 12 पैसे प्रति लीटर के बीच। उस समय यह कीमत बेहद महंगी मानी जाती थी क्योंकि उस दौरान आम आदमी की आमदनी 1 रुपये से भी कम होती थी। हालांकि, दिलचस्प बात ये है कि उस दौरान पेट्रोल टैक्स भी बेहद कम लगता था क्योंकि गाड़ियों की संख्या कम थीं।

अजब-गजब | झारखंड की ये जनजाति मानती है अपने को महिषासुर की वंशज

ये लोग मां दुर्गा को मानते हैं दुश्मन, नवरात्रिभर मनाते हैं शोक

चैत्र नवरात्र खत्म हो चुके हैं। नौ दिन माता रानी के नौ स्वरूपों की पूजा-अर्चना के बाद भक्तों ने मां दुर्गा को विदाई दी। पूरे देश में उत्सव का माहौल रहा, लेकिन झारखंड के कुछ इलाकों में एक जनजाति के लिए ये नौ दिन शोक और मातम का समय होता है।

ये हैं असुर जनजाति के लोग, जो खुद को महिषासुर के वंशज मानते हैं। असुर जनजाति मुख्य रूप से झारखंड के गुमला, लोहरदगा, पलामू और लातेहार जिलों में बसी हुई है। कुछ लोग पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ में भी रहते हैं। ये Particularly Vulnerable Tribal Group (PVTG) में शामिल हैं। इनकी अपनी भाषा असुर (मुंडा परिवार की) है और ये प्राचीन लोहा गलाने की कला के लिए भी जाने जाते हैं। असुर समुदाय की मान्यता है कि पौराणिक कथाओं में जिन महिषासुर को राक्षस बताया गया, वे उनके वंश के एक शक्तिशाली और न्यायप्रिय राजा थे। उन्हें हुदुर दुर्गा (हुदुर का अर्थ बिजली, दुर्गा का अर्थ रक्षक) के नाम से भी जाना जाता है। इनके अनुसार, देवी दुर्गा ने छल-कपट से उनके पूर्वज का वध किया था। इसलिए नवरात्रि के नौ दिन उनके लिए महिषासुर दशैन या शोक का समय होता है। पुरानी परंपरा के अनुसार, नवरात्रि के दौरान ये लोग घरों के दरवाजे-खिड़कियां बंद कर अंदर रहते थे। दिन में बाहर निकलना टालते थे और जरूरी काम भी सूर्यास्त के बाद करते थे। अब यह प्रथा कम हो गई है, लेकिन शोक मनाने की

भावना आज भी बरकरार है। नवरात्रि समाप्ति के बाद कई जगहों पर महिषासुर स्मरण दिवस या असुर पूजा मनाई जाती है, जिसमें वे अपने पूर्वज को श्रद्धांजलि देते हैं। असुर लोग बताते हैं कि महिषासुर एक अच्छा राजा था, जिसने अपने प्रजा का खूब ध्यान रखा। उनकी मान्यता में देवताओं ने छल से हमला किया और उनके राजा को मार डाला। कुछ लोग इसे आर्य-अनार्य संघर्ष से भी जोड़ते हैं। वे कहते हैं कि मुख्यधारा की हिंदू कथाओं में उनके पूर्वज को राक्षस के रूप में चित्रित किया गया, जबकि वे एक वीर और रक्षक थे। झारखंड के गुमला जिले के सकुआपानी गांव के बुजुर्ग चमरू असुर ने पहले मीडिया को बताया था कि नवरात्रि में वे पूजा नहीं करते, बल्कि पूर्वजों को याद करते और उनकी रक्षा की कामना करते हैं। कुछ जगहों पर वे खीरा खाकर भी प्रतीकात्मक रूप से बदला लेने की बात करते हैं, क्योंकि यह महिषासुर के शरीर से निकले रक्त का प्रतीक माना जाता है।

हिंदू पौराणिक कथाओं (देवी महात्म्य/दुर्गा सप्तशती) में महिषासुर एक शक्तिशाली असुर राजा था, जिसने देवताओं को पराजित कर स्वर्ग पर कब्जा कर लिया था। देवताओं की प्रार्थना पर मां दुर्गा ने नौ रातों तक युद्ध कर दसवें दिन उसे त्रिशूल से मार गिराया। यह अच्छाई पर बुराई की जीत का प्रतीक माना जाता है और पूरे देश में नवरात्रि-दशहरा के रूप में मनाया जाता है। दूसरी ओर, असुर समुदाय और कुछ आदिवासी-बहुजन विचारक इसे अपनी सांस्कृतिक पहचान और वैकल्पिक इतिहास के रूप में देखते हैं। वे कहते हैं कि हर समुदाय की अपनी कथा और अपनी नजरिया होता है। असुर लोग महिषासुर को पूजते नहीं बल्कि पूर्वज के रूप में सम्मान देते हैं। वे दुर्गा पूजा में भाग नहीं लेते, लेकिन दूसरे समुदायों के उत्सव का विरोध भी नहीं करते।

आज असुर जनजाति की आबादी झारखंड में करीब 22-26 हजार बताई जाती है। आधुनिक समय में कई युवा शिक्षा और नौकरियों की वजह से शहरों में बस रहे हैं। परंपराएं बदल रही हैं, लेकिन सांस्कृतिक पहचान मजबूत है। कुछ संगठन महिषासुर शहादत दिवस को बड़े स्तर पर मनाते हैं, जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम और चर्चा होती है। यह उदाहरण दर्शाता है कि भारत विविधताओं का देश है। जहां एक तरफ नवरात्रि हर्षोल्लास का त्योहार है, वहीं कुछ समुदाय अपनी प्राचीन मान्यताओं के अनुसार शोक मनाते हैं। दोनों ही अपनी-अपनी आस्था का सम्मान करते हुए साथ-साथ रह रहे हैं।

बंगाल-असम में चुनावी प्रचार में आई तेजी

» कांग्रेस अध्यक्ष खरगे भाजपा पर बरसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ममता ने शाह को घेरा, बोलीं- मैं मौत के मुंह से लौटी हूं

नई दिल्ली। असम व बंगाल में चुनावी सरगर्मी बढ़ती जा रही है। भाजपा, कांग्रेस, टीएमसी समेत सभी सियासी दलों के प्रचार में तेजी के साथ आक्रमकता बढ़ती जा रही है। जहां बंगाल में शाह व सीएम ममता के बीच जुबानी जंग होने लगी है वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगें असम की बीजेपी सरकार पर करारा वारकिया। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने अपनी चोट पर अमित शाह की विक्टिम कार्ड वाली टिप्पणी का करारा जवाब दिया है, उन्हें अपनी मेडिकल रिपोर्ट देखने की चुनौती दी और पलटवार में उनके खिलाफ ही चार्जशीट की मांग की है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणियों पर कड़ी नाराजगी जताई है।

दरअसल, अमित शाह ने एक दिन पहले तृणमूल कांग्रेस सरकार के खिलाफ राजनीतिक आरोपपत्र जारी करते हुए ममता बनर्जी पर विक्टिम कार्ड खेलने का आरोप लगाया था। शाह ने कहा था कि चुनाव के समय ममता कभी अपनी चोट तो कभी चुनाव आयोग को मुद्दा बनाकर सहानुभूति बटोरने की कोशिश करती हैं। पुरुलिया जिले के मानबाजार में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने अमित शाह को सीधी चुनौती दी। उन्होंने कहा, जो लोग कह रहे हैं कि मैं चुनाव के दौरान पट्टी बांधकर घूमती हूं, वे जाकर मेरी विस्तृत मेडिकल रिपोर्ट देख लें। मैं बार-बार मौत के मुंह से वापस लौटी हूं। उन्होंने भाजपा पर सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या 2021 के चुनाव के दौरान उन्हें जानबूझकर चोट पहुंचाई गई थी और क्या अब उन्हें जान से मारने की कोई योजना बनाई जा रही है?

अमित शाह के खिलाफ चार्जशीट की मांग

जन कल्याणकारी योजनाओं पर खतरा

ममता बनर्जी ने राज्य की महिलाओं को सचेत करते हुए कहा कि अगर भाजपा सत्ता में आती है, तो वह लक्ष्मी भंडार जैसी लोकप्रिय योजनाओं को बंद कर देगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि भाजपा लोगों की खान-पान की पसंद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर पाबंदी लगाने की कोशिश करेगी। अमित शाह द्वारा टीएमसी सरकार के खिलाफ जारी किए गए आरोपपत्र पर पलटवार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि खुद शाह के खिलाफ उनके पुराने कृत्यों के लिए चार्जशीट दाखिल होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के नेता केवल राज्य की छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि उनकी सरकार ने बंगाल के विकास के लिए निरंतर काम किया है।

असम में कांग्रेस की पांच प्रमुख गारंटियां

असम विधानसभा चुनाव से पहले, कांग्रेस ने राज्य की सत्ता में वापसी के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। लखीमपुर जिले के नाओबोइचा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी का घोषणापत्र जारी किया और जनता के लिए पांच मुख्य गारंटियों का एलान किया। **महिला कल्याणः** महिलाओं के बैंक खातों में बिना शर्त नकदी ट्रांसफर की जाएगी और नया व्यवसाय शुरू करने के लिए 50,000 रुपये की सहायता दी जाएगी। **स्वास्थ्य :** हर परिवार को 25 लाख रुपये तक का कैशलेस स्वास्थ्य बीमा मिलेगा। **भूमि अधिकारः** लगभग 10 लाख स्थानीय भूमिपुत्रों को भूमि का स्थायी पट्टा (मालिकाना हक) दिया जाएगा। **जुबीन गर्ग मामले में न्यायः** असम के सांस्कृतिक प्रतीक स्व. जुबीन गर्ग की मृत्यु के मामले में 100 दिनों के भीतर जांच पूरी कर न्याय सुनिश्चित किया जाएगा। **बुजुर्ग सहायताः** राज्य के वरिष्ठ नागरिकों को हर महीने 1,250 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

भाजपा सरकार ने डबल लूट की : खरगे

रैली के दौरान खरगे ने भाजपा की डबल इंजन सरकार पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह डबल इंजन नहीं बल्कि डबल लूट की सरकार है, जो असम के संसाधनों का इस्तेमाल दिल्ली में बैठे नेताओं की तिजोरियां भरने के लिए कर रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा को नकली मुख्यमंत्री बताते हुए कहा कि उन्होंने धोखे से सत्ता हासिल की है और अब राज्य में डर का माहौल बना रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि भाजपा के शासन में भ्रष्टाचार चरम पर है और उनके नेताओं के परिवार के सदस्य भी इसमें शामिल हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा देश को पुराने मनुवाद के हिसाब से चलाना चाहती है, जहां दलितों और पिछड़ों के साथ भेदभाव किया जाता है। खरगे ने लोगों से एकजुट होकर ऐसी विभाजनकारी ताकतों को सत्ता से बाहर करने की अपील की। खरगे ने शंकर देव, गोपीनाथ बोरदोलोई और तरुण गोगोई जैसे महान व्यक्तित्वों को याद करते हुए कहा कि इन लोगों ने असम को बनाया है। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि जहां कांग्रेस ने आजादी की लड़ाई लड़ी और देश को एकजुट रखा, वहीं भाजपा केवल लोगों के बीच फूट डालने का काम कर रही है।

नगर निगम की फाइल ने बचा ली जान

» चाइनीज मांझे से घायल हुए राजस्व निरीक्षक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में चाइनीज मांझे का खतरनाक रूप एक बार फिर सामने आया। नगर निगम जोन-8 से लालबाग स्थित नगर निगम मुख्यालय जा रहे राजस्व निरीक्षक राजा भईया उस समय गंभीर हादसे का शिकार हो गए, जब एनेक्सी भवन के पास अचानक पतंग के धारदार मांझे की चपेट में आ गए। बताया जा रहा है कि मांझा इतना तेज था कि उनके कान को चीरते हुए आंख तक पहुंच गया। घटना के समय उनके हाथ में एक फाइल थी, जिसे वह चीफ टैक्स असेसमेंट ऑफिसर के पास कराने के लिए नगर निगम मुख्यालय जा रहे थे। उसी फाइल को सामने करने से उनकी गर्दन कटने से बच गई और बड़ा हादसा टल गया।

मौके पर मौजूद सहायक आयुष ने बताया कि जैसे ही हादसा हुआ, तुरंत राजस्व निरीक्षक को लेकर सिविल अस्पताल पहुंचा गया, जहां डॉक्टरों ने उनका इलाज किया। उनके कान में टांके लगाए गए। उपचार के बाद भी राजस्व निरीक्षक अपने कर्तव्य के प्रति समर्पित रहे और वापस नगर निगम मुख्यालय पहुंचकर जिस काम के लिए आए थे, वह फाइल भी निपटाई। इस घटना के बाद एक बार फिर शहर में प्रतिबंधित चाइनीज मांझे के खतरे पर सवाल खड़े हो गए हैं। यह मांझा न केवल लोगों के लिए बल्कि पक्षियों के लिए भी जानलेवा साबित हो रहा है। प्रशासन द्वारा कई बार कार्रवाई के बावजूद बाजारों में इसकी बिक्री पूरी तरह बंद नहीं हो सकी है।

महेश पाण्डेय बने बिम्ब कला केन्द्र के अध्यक्ष

» वार्षिक चुनाव सम्पन्नः अशोक बिसारिया महासचिव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ की प्रमुख साहित्यिक, सांस्कृतिक व सामाजिक संस्था बिम्ब कला केन्द्र की सामान्य वार्षिक बैठक व सत्र 2026-27 हेतु कार्यकारिणी के चुनाव आज एक स्थानीय होटल में सम्पन्न हुए । सर्वसम्मति से सुप्रसिद्ध कवि व बिम्ब के मुख्य संरक्षक सूर्यकुमार पांडेय ने चुनाव अधिकारी का दायित्व निभाते हुए चुनाव सम्पन्न कराए। निम्न पदाधिकारी निर्विरोध चयनित हुए। अध्यक्ष महेश पांडेय, उपाध्यक्ष वी.पी.मिश्रा महासचिव अशोक बिसारिया, कोषाध्यक्ष मनीष श्रीवास्तव ,संगठन सचिव सुनील उप्रेती ।

संस्था की नियमावली के अनुसार अन्य नामित पद शीघ्र अध्यक्ष व महासचिव द्वारा घोषित किए जाएंगे। संस्था के संस्थापक सुप्रसिद्ध साहित्यकार राजेश अरोरा शलभ ने पिछले सत्र में बिम्ब द्वारा सफलतापूर्वक आयोजित चार कार्यक्रमों हेतु पूर्व कार्यकारिणी की भूरि- भूरि प्रशंसा की। उन्होंने सभी साथियों का धन्यवाद अभिव्यक्त किया। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को बधाई देते हुए अपेक्षा की कि भविष्य में भी बिम्ब द्वारा ऐसे ही सुरुचिपूर्ण व सार्थक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर उनकी पुस्तक चुनाव-चक्रम का लोकार्पण भी किया गया। बिम्ब के संरक्षक, पदाधिकारी व सदस्य भारी संख्या में इस अवसर पर उपस्थित रहे। ये जानकारी मीडिया कोआर्डिनेटर बिम्ब कला केन्द्र रजनीश राज ने दी।

यूडीएफ खुलेआम झूठ का सहारा ले रहा: विजयन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। केरल के मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन ने यूडीएफ पर मलप्पुरम में एसडीपीआई के समर्थन के संबंध में अपनी कॉरपोरेट समर्थक और वैश्वीकरणवादी नीतियों से ध्यान हटाने के लिए खुलेआम झूठ का सहारा लेने का आरोप लगाया।

विजयन ने कहा कि एलडीएफ एक कर्मठ सरकार है जो अपने वादों को पूरा करती है और जनता द्वारा मान्यता प्राप्त ठोस विकासात्मक परिवर्तनों के आधार पर ऐतिहासिक दूसरा कार्यकाल हासिल किया है। हालांकि, रमेश चेन्निथला और वी.डी. सतीशान जैसे नेताओं के नेतृत्व वाला यूडीएफ अब मलप्पुरम में एसडीपीआई के समर्थन को लेकर खुलेआम झूठ और निराधार आरोपों का सहारा ले रहा है ताकि अपनी कॉरपोरेट समर्थक, वैश्वीकरणवादी नीतियों से ध्यान भटका सके।

2012 के बाद मुंबई ने जीता पहला ओपनिंग मैच

» रोहित-रिकेल्टन के बीच 148 रन की हुई तीसरी बड़ी साझेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। रोहित शर्मा (78) और रेयान रिकेल्टन (81) की अर्धशतकीय पारियों की मदद से मुंबई केकेआर को छह विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ मुंबई ने 13 साल से चले आ रहे हार के सिलसिले को भी तोड़ दिया। दरअसल, मुंबई ने पिछली बार 2012 में सत्र का ओपनिंग मुकाबला जीता था। अब टीम ने केकेआर को हराकर इस अनचाहे रिकॉर्ड से पीछा छुड़ा लिया है। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी केकेआर ने अजिंक्य रहाणे (67) और अंगकृष रघुवंशी (51) की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 20 ओवर में चार विकेट पर 220 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने रोहित शर्मा और रेयान रिकेल्टन की शतकीय साझेदारी की सहायता से 19.1 ओवर में चार विकेट पर 224 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। रोहित और रिकेल्टन ने पहले विकेट के लिए 11.5 ओवर में 148 रन की साझेदारी की। रोहित पहले विकेट के रूप में 78 रन बनाकर आउट हुए। रोहित ने 23 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। आईपीएल में उनका यह सबसे तेज अर्धशतक है। रोहित का आईपीएल का यह 50वां अर्धशतक भी था। इससे पहले पहले बल्लेबाजी करने उतरी केकेआर को फिन एलन और अजिंक्य रहाणे ने पहले विकेट के लिए 5.2 ओवर में 69 रन जोड़े। रहाणे का विकेट गिरने के बाद रघुवंशी और रिंकू सिंह ने पारी को संभाला और चौथे विकेट के लिए 30 गेंदों पर 60 रन की साझेदारी कर टीम का स्कोर 205 तक पहुंचा दिया। रघुवंशी 51 रन की पारी खेलकर आउट हुए। रिंकू सिंह 33 और रमनदीप सिंहचार रन बनाकर नाबाद रहे।

चेन्नई को लगा झटका डेवाल्ड ब्रेविस हुए चोटिल

गुवाहाटी। सीएसके को आईपीएल 2026 के अपने शुरुआती मुकाबले से पहले बड़ा झटका लगा है। टीम के युवा स्टार बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस चोट के कारण राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच से बाहर हो गए हैं। सीएसके के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा कि ब्रेविस को ट्रेनिंग के दौरान साइड स्ट्रेन हुआ है और वह फिलहाल रिकवरी कर रहे हैं। ब्रेविस की गैरमौजूदगी टीम के लिए और भी मुश्किल खड़ी करती है। पहले ही तेज गेंदबाज नाथन एलिस पूरे सीजन से बाहर हो चुके हैं। वहीं, पूर्व कप्तान धोनी भी पिंडली की चोट के कारण शुरुआती दो हफ्तों तक टीम से बाहर रह सकते हैं। इसके अलावा, एलिस के रिप्लेसमेंट के तौर पर शामिल किए गए स्पेंसर जॉनसन भी अभी बैक इंजरी से उबर रहे हैं और 21 अप्रैल के आसपास टीम से जुड़ेंगे।

ट्रंप के बयान के बाद फिर मचेगा घमासान, मुहतोड़ जवाब देगा ईरान

मिडिल ईस्ट की जंग का 31वां दिन : ईरान व अमेरिका-इजरायल में एक दूसरे पर हमले जारी

- अमेरिका का ग्राउंड ऑपरेशन करने पर विचार
- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का खर्ग द्वीप व एनरिच्ड यूरेनियम पर नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच छिड़ीं जंग का आज 31वां दिन है। रविवार को ईरान के कुवैत में किए गए हमले में एक भारतीय की मौत हो गई। वहीं पूरे अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ लोग सड़कों पर आ गए हैं। इसी क साथ कुछ नेताओं के मतभेद भी सामने आने लगे हैं। इस बीच ट्रंप के ईरान के तेल और खर्ग द्वीप पर कब्जा करने की नजर है वाले फाइनेंशियल टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू से भी बवाल मच गया है। वहीं डोनल्ड ट्रंप ईरान में ग्राउंड ऑपरेशन करने पर विचार रहे हैं। उधर अमेरिका को दस दिन छूट वाली बात को नकारते ईरान व इजरायल एक-दूसरे पर हमले जारी रखे हुए हैं।

एक अप्रैल से हवाई जहाजों में इस्तेमाल होने वाले ईंधन यानी एटीएफफ के नए दाम लागू होंगे और इस बार संकेत अच्छे नहीं नजर आ रहे हैं। कच्चे तेल के बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दामों ने पहले ही संकेत दे दिए हैं कि दबाव बढ़ने वाला है। हर महीने एक तारीख को ही इसके दाम अपडेट होते है तो पिछले महीने जंग की शुरुआत में 1 मार्च में जंग का असर नहीं दिखा था पर अब स्थिति अलग हो चुकी है। आज भी पश्चिम एशिया में जारी तनाव की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम पहले से ऊपर हैं।

ईरान की पेट्रोकेमिकल कंपनी पर अमेरिका-इजरायल का हमला

ईरान की फार्स समाचार एजेंसी के अनुसार, आज सुबह (31 मार्च) को तब्रीज़ पेट्रोकेमिकल कंपनी की एक इकाई को निशाना बनाकर किए गए संदिग्ध अमेरिकी-इजरायली हमले के परिणामस्वरूप आग लग गई, जिसे तुरंत काबू में कर लिया गया। लेबनान के दक्षिणी गांव अदशित अल-कुसैर में इस्राइली तोपखाने की गोलाबारी की चपेट में आने से इंडोनेशिया के एक शांति रक्षक की मौत हो गई। यह सैनिक संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल की इंडोनेशियाई इकाई में तैनात था। रिपोर्टों के अनुसार, रविवार को हुई इस गोलाबारी में शांति सेना के कई कर्मचारी घायल हुए हैं। हमले के तुरंत बाद संयुक्त राष्ट्र के हेलीकॉप्टर प्रभावित इलाके की ओर जाते देखे गए। यह हमला लेबनान और इस्राइल सीमा पर जारी गोलीबारी और बढ़ते तनाव के बीच हुआ है।

इजरायल ने कहा, नहीं माना ईरान तो लगाएंगे ताकत

रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने अमेरिका के राजनीतिक सहयोगियों को स्पष्ट संकेत दिया है कि तेहरान परमाणु सामग्री अपने पास नहीं रख सकता और उन्होंने इस बात पर चर्चा की है कि अगर ईरान बातचीत की मेज पर इसे नहीं सौंपता है तो इसे ताकत के जरिए हासिल किया जाएगा। इजरायल के वरिष्ठ अधिकारियों ने इजरायल के चैनल-12 को बताया कि इजरायल पहली बार ट्रंप प्रशासन को अपनी जमीन पर अमेरिकी सैन्य अड्डों के विकास का प्रस्ताव देने की योजना बना रहा है, जिसमें मध्य पूर्व के देशों में नए अड्डों का निर्माण और मौजूदा सैन्य अड्डों का स्थानांतरण शामिल है।

ईरान से यूरेनियम निकालने के लिए ट्रंप बना रहे विचार

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ईरान में ग्राउंड ऑपरेशन करने पर विचार रहे हैं। इस बात का दावा यूएस की मीडिया ने किया है। इस ऑपरेशन का मकसद लगभग 970 पाउंड (करीब 400 किलोग्राम) एनरिच्ड यूरेनियम को बाहर निकालना है, जिसका इस्तेमाल तेहरान संभावित रूप से परमाणु हथियार बनाने के लिए कर सकता है। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अमेरिकी नेता के करीबी एक सूत्र के हवाले से बताया कि ट्रंप ने अपने सलाहकारों को इस बात के लिए तेहरान पर दबाव डालने को भी कहा है कि वे युद्ध खत्म करने की शर्त के तौर पर इस सामग्री को सौंपने पर सहमत हों।

हिजबुल्लाह का इजरायल पर हमला

हिजबुल्लाह ने उत्तरी इजरायल पर और हमलों का दावा किया है। लेबनानी आर्म्ड फोर्स का कहना है कि उसके लड़ाकों ने डोवेव गांव और गजार गांव में एक ठिकाने पर रॉकेट दागे हैं।

जल्दी हो सकती है डील- ईरान से समझौते को लेकर ट्रंप का बयान

यूएस-इजरायल और ईरान के बीच जंग को खत्म कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में इसको लेकर तुर्की, सऊदी अरब, मिस्र और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों के बीच बैठक भी हुई। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के ज़रिए ईरान के साथ इनडायरेक्ट बातचीत में प्रोग्रेस का दावा किया। उन्होंने कहा,डील काफी जल्दी हो सकती है।

संयुक्त राष्ट्र ने अंतरराष्ट्रीय कानूनों को पालन करने की अपील की

संयुक्त राष्ट्र ने सभी पक्षों से अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के कर्मचारियों और उनकी संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करना सबकी जिम्मेदारी है। शांति रक्षकों पर जानबूझकर किए गए हमले अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून और सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1701 का गंभीर उल्लंघन हैं। ऐसे हमलों को युद्ध अपराध माना जा सकता है। संगठन ने जोर देकर कहा कि इस संघर्ष का कोई सैन्य समाधान नहीं है और हिंसा तुरंत रुकनी चाहिए।

इंडोनेशिया ने घटना की निंदा की

इंडोनेशिया ने अपने सैनिक की मौत की पुष्टि की है और इस घटना की कड़ी निंदा की है। इंडोनेशियाई विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि वे अपने शांति रक्षक की मौत और तीन अन्य के घायल होने से बेहद दुखी हैं। सरकार ने शहीद सैनिक के प्रति सम्मान व्यक्त किया और उनके परिवार के लिए प्रार्थना की। इंडोनेशिया अब संयुक्त राष्ट्र के साथ मिलकर शहीद के पार्थिव शरीर को वापस लाने और घायलों के बेहतर इलाज की व्यवस्था कर रहा है।

अमेरिकी सरकार में फूट, ट्रंप ने तुलसी गबार्ड से मतभेद पर खुलकर की बात

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया कि ईरान के मुद्दे पर उनकी सरकार के शीर्ष सहयोगियों के बीच मतभेद हैं। ट्रंप ने कहा कि उनकी सरकार की खुफिया प्रमुख तुलसी गबार्ड ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को रोकने के मामले में उनसे थोड़ी नरम हैं। ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि तेहरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकने के लिए कोई समझौता जल्द हो सकता है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार जब एक पत्रकार ने उनसे पूछा कि क्या उन्हें अमेरिका की नेशनल इंटेलिजेंस डायरेक्टर तुलसी गैबार्ड पर भरोसा है, तो ट्रंप ने कहा, हां, बिल्कुल। डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी एयर फोर्स वन विमान में यह बात कही, जब वे फ्लोरिडा में अपने मार-ए-लागो वाले घर पर विकेंड बिताकर वॉशिंगटन लौट रहे थे. उन्होंने गबार्ड को लेकर कहा, उनकी सोच मुझसे थोड़ी अलग है. लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि कोई व्यक्ति सेवा करने के योग्य नहीं है. मैं इस बात पर बहुत सख्त हूं कि मैं नहीं चाहता कि ईरान के पास परमाणु हथियार हो, क्योंकि अगर उनके पास परमाणु हथियार होगा तो वे उसे तुरंत इस्तेमाल करेंगे। मुझे लगता है कि इस मुद्दे पर वह शायद थोड़ी नरम हैं, लेकिन यह ठीक है।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा